केजरीवाल का ऐलान

योजना के लिए 31 दिसंबर से रजिस्ट्रेशन से शुरू होगा, इस योजना के रजिस्ट्रेशन का शुभारंभ कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर के पुजारियों का रजिस्ट्रेशन से होगा

दिल्ली चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल का बड़ा ऐलान, पुजारियों और ग्रंथियों को हर महीने मिलेंगे 18 हजार

● मंथन संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवासियों के लिए एक और स्कीम का ऐलान कर दिया है। बुजुर्गों और महिलाओं को साधने के बाद केजरीवाल ने अब पुजारी और ग्रंथियों के लिए एक योजना लॉन्च की है। अरविंद केजरीवाल ने मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों के लिए पुजारी और ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा की।

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, 'आज मैं एक योजना के संबंध में एक अहम घोषणा कर रहा हूं। योजना का नाम पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना है। इसके तहत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा के ग्रंथियों को सम्मान राशि देने का प्रावधान है। उन्हें लगभग 18,000

रुपये प्रति माह मानदेय दिया जाएगा। यह देश में पहली बार हो रहा है। पुजारी एक ऐसा वर्ग है, जिसने पीढ़ी दर पीढ़ी कर्मकांड को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कभी अपने परिवार पर ध्यान नहीं दिया और हमने कभी उन पर ध्यान नहीं दिया।'

कब से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन: आप के मुखिया केजरीवाल ने कहा कि इस योजना के लिए कल यानी 31 दिसंबर से रजिस्ट्रेशन से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि कल इस योजना के रजिस्ट्रेशन का शुभारंभ करने के लिए कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर जाऊंगा और वहां के पुजारियों का रजिस्ट्रेशन करके आऊंगा। इसके बाद दिल्ली के सभी मंदिरों और गुरुद्वारों में हमारे एमएलए और उम्मीदवार सभी का रजिस्ट्रेशन शुरू कर देंगे। मेरी भारतीय जनता पार्टी से हाथ जोड़कर अपील है कि जैसे उन्होंने पुलिस को भेजकर फर्जी केस करके महिला सम्मान योजना को रोकने की कोशिश की लेकिन रोक नहीं पाए। उनका रजिस्ट्रेशन हो रहा है और आगे भी होगा।

'दिल्ली में नहीं लागू है संजीवनी या महिला सम्मान स्कीम'

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पुजारी और ग्रंथियों की योजना को रोकने की कोशिश मत करना नहीं तो बहुत पाप लगेगा। पुजारी और ग्रंथी हमारे और भगवान के बीच में ब्रिज का काम करते हैं। हमारी प्रार्थनाओं को भगवान तक पहुंचाने का काम करते हैं। अगर आप पुजारी और ग्रंथियों को तंग करोगे या पुलिस भेजोगे तो जाहिर तौर पर उनके मन से बद्दुआ ही निकलेगी।

महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना का भी हो चुका ऐलान

दिल्ली में चुनाव से पहले केजरीवाल ने महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना की भी घोषणा की है। 'महिला सम्मान योजना' के तहत दिल्ली में 18 साल या उससे ज्यादा उम्र की पात्र महिलाओं को 1,000 रुपये हर महीने मिलेंगे। अगर 2025 में आप सरकार फिर से चुनी जाती है, तो यह राशि बढ़ाकर 2,100 रुपये प्रति माह कर दी जाएगी। वहीं, 'संजीवनी योजना' के तहत सरकार 60 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों के इलाज का खर्च वहन करेगी।

भड़के तालिबानियों ने चौकियों पर हमला कर 19 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया

तालिबान का बड़ा हमला, तालिबान के हमले में पाकिस्तानी सेना ढेर, पाकिस्तानी सेना की कई चौकियों पर कब्जे का दावा

● मंथन विदेश ब्यूरो

न्यूज डेस्क। पाकिस्तान की सेना और तालिबान के बीच सीमा रेखा डूरंड लाइन पर युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। ञझञक आतंकियों द्वारा पाकिस्तानी सेना के 16 सैनिकों की हत्या के बाद पाकिस्तानी एयर फोर्स ने अफगानिस्तान के पाक्तिका और खोस्त प्रांत में एयर स्ट्राइक कर दिया। पाकिस्तान के इस हमले में करीब 50 लोगों की जान चली गई। पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने टीटीपी आतंकियों पर हमला किया है। इस हमले से भड़के तालिबानियों ने डूरंड लाइन से सटी पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर हमला कर 19 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया। इसके अलावा 2 पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा करने का भी दावा किया है।

बता दें कि अफगानिस्तान अंग्रेजों की खींची डूरंड लाइन को नहीं मानता है। जिसे लेकर शुरू से ही पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तवानपूर्ण हालात बने रहते हैं। अब दोनों देशों का एक-दूसरे पर हमला करने के बाद फिर डूरंड लाइन का मुद्दा गरम हो गया है।

फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण: तालिबान और पाकिस्तान के बीच लड़ाई 28 दिसम्बर की रात तक जारी थी। फिलहाल शांतिपूर्ण स्थिति है। जारी संघर्ष को देखते हुए हजारों अफगान नागरिकों को सीमाई इलाकों से हटना पड़ा है। पाकिस्तानी सेना ने यह माना है कि डूरंड लाइन के पास कई इलाकों में लड़ाई हुई है, लेकिन तालिबानी हमले में सिर्फ 1 पाकिस्तानी सैनिक की मौत हुई है।

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दिया बयान

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में दोनों देशों के बीच खींची डूरंड लाइन को काल्पनिक रेखा करार दिया है। अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा, '28 दिसंबर को पाकिस्तान के उन इलाकों में हमला किया गया था, जहां से अफगान जमीन पर हमले किए जाते थे।' उन्होंने कहा कि अफगान सेना ने पाकिस्तानी सेना की कई चौकियों को भी जला दिया है।

धरती से पानी का सैलाब

पानी का प्रेशर इतना ज्यादा था कि वह लगातार 50 घंटे तक तीन से चार फीट उछलता हुआ बाहर निकलता रहा

जैसलमेर के रेगिस्तान में धरती फाड़कर निकला उछलता हुआ पानी, 50 घंटों में ला दिया सैलाब

● मंथन संवाददाता

जैसलमेर। जैसलमेर के रेतीले धोरों में एक खेत में ट्यूबवैल खोदते समय पानी धरती फाड़कर बाहर आ गया। इस पानी की रफ्तार इतनी थी उसने करीब तीन से चार फीट का जंप लगाया। उसके बाद यह पानी करीब 50 घंटों तक लगातार उसी रफ्तार से बाहर निकलता रहा। किसी के यह समझ में नहीं आया है कि आखिर ये कैसे हो रहा है? 28 दिसम्बर को सुबह पांच बजे धरती फाड़कर निकलना शुरू हुआ पानी 30 दिसम्बर को सुबह सात बजे अपने आप बंद हो गया।

जानकारी के अनुसार हैरान कर देने वाला यह मामला विक्रम सिंह भाटी के खेत में हुआ। उनका खेत जैसलमेर के नहरी क्षेत्र के चक 27 बीडी के तीन जोरा माइनर के पास में है। विक्रम सिंह भाजपा के मोहनगढ़ मंडल अध्यक्ष हैं। वे अपने खेत में ट्यूबवैल खुदवा रहे थे। इसके लिए ट्यूबवैल खोदने वाली मशीन लगी हुई थी। 28 दिसम्बर को सुबह करीब पांच बजे अचानक पानी धरती फाड़कर बाहर निकला। पानी का प्रेशर इतना था कि वह तीन से चार फीट ऊंचाई तक उछलता रहा। यह देखकर विक्रम सिंह और आसपास के लोग सहम गए। यह घटना उस

समय हुई जब 850 फीट की गहराई तक ट्यूबवैल खोद लिया गया था। उसके बाद पाइप बाहर निकालते समय तेज रफ्तार से पानी निकल पड़ा।

ट्यूबवैल खोद रही मशीन भी धंस गई

देखते ही देखते पानी के बहाव से ट्यूबवैल खोद रही मशीन भी धंसने लग गई। वहां काम रहे लोगों ने पानी को रोकने की कोशिश की लेकिन नाकामयाब रहे। उन्होंने सोचा पानी थोड़ी देर चलकर थम जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह पानी खेत की सरहदें तोड़ने लगा। इस पर उन्होंने प्रशासन को सूचित किया। देखते ही देखते ही यह मामला सोशल मीडियो में छा गया और इसके वीडियो वायरल हो गए। विक्रम सिंह का कहना है लगातार बाहर निकलने से खेत में चार से पांच फीट तक पानी भर गया है।

चारों तरफ पानी का सैलाब आ गया

इस पर मोहनगढ़ के नायब तहसीलदार ललित चारण वहां पहुंचे। उन्होंने हालात देखकर इलाके के लिए लोगों को एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा गया कि जहां से पानी निकल रहा है उसके 500 मीटर के दायरे में कोई नहीं जाए। लेकिन 28 दिसम्बर को दिन भर और रात में भी पानी निकलना थमा नहीं। 29 दिसम्बर को भी दिनभर पानी उसी रफ्तार और प्रेशर से निकलता रहा। इससे वहां चारों तरफ पानी का सैलाब आ गया।

30 दिसम्बर को सुबह सात बजे पानी निकलना बंद हुआ: फिर शाम को केयर्न वेदा इंडिया कम्पनी, ओएनजीसी और ऑयल इंडिया कम्पनी के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। लेकिन मामला उनकी भी समझ से परे रहा। 29 दिसम्बर को भी रातभर बहने के बाद 30 दिसम्बर को सुबह करीब सात बजे यह पानी अपने आप थम गया। लेकिन इतना पानी प्रेशर से कैसे निकला किसी को समझ नहीं आया। 30 दिसम्बर को सुबह जब पानी थमा तक प्रशासन और खेत मालिक ने राहत की सांस ली। इस पानी और वहां की मिट्टी के सेम्पल लिए गए हैं। उनकी जांच कराई जाएगी।

नासा की कमान भारतीय मूल की भव्या लाल को यूएस स्पेस एजेंसी की कार्यकारी प्रमुख बनीं

भारतीय मूल की अमेरिकी भव्या लाल को अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का एक्टिंग चीफ ऑफ स्टाफ यानी कार्यकारी प्रमुख नियुक्त किया गया है। भव्या मूल रूप से स्पेस साइंटिस्ट हैं। वे बाइडेन की ट्रांजिशन टीम में भी रह चुकी हैं। नासा ने एक बयान में कहा- भव्या हर लिहाज से इस पद के लिए काबिल हैं। उनके पास इंजीनियरिंग और स्पेस टेक्नोलॉजी का अनुभव है। वे 2005 से 2020 तक साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी इंस्टीट्यूट (STPI) के डिफेंस एनालिसिस विंग में मेंबर और रिसर्चर रही हैं। बयान में आगे कहा गया- स्पेस टेक्नोलॉजी, स्पेस स्ट्रैटेजी एंड पॉलिसी में खासा अनुभव होने के साथ उन्होंने व्हाइट हाउस में पॉलिसी और नेशनल स्पेस काउंसिल में भी काम किया है। लाल न सिर्फ डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस बल्कि स्पेस इंटेलिजेंस कम्युनिटी की भी गहरी जानकारी रखती हैं।

नासा को पहले भी एडवाइज देती रही हैं भव्या लाल लगातार दो बार नेशनल ओसियानिक एडमिनिस्ट्रेशन कमेटी को लीड कर चुकी हैं। नासा में पहले वे बतौर एडवाइजरी काउंसिल मेंबर भी रह चुकी हैं। स्पेस रिसर्च के मामले में अमेरिका की बड़ी कंपनी C-STPS एलएलसी में भी भव्या काम कर चुकी हैं। बाद में वे इसकी प्रेसिडेंट भी बनीं। इसके बाद उन्हें

व्हाइट हाउस में स्पेस इंटेलिजेंस कमेटी का मेंबर बनाया गया था।

अमेरिकी न्यूक्लियर सोसायटी और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी से जुड़ी दो सरकारी कंपनियों ने भव्या को बतौर एडवाइजर अपने बोर्ड में जगह दी थी। एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग प्रोग्राम में उनके कहने पर फेरबदल किए गए थे। भव्या ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग की। इसके बाद पब्लिक पॉलिसी एंड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में डॉक्टरेट हासिल की।

भव्या लाल पांच-पांच बार नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस कमेटी की अध्यक्षता कर चुकी है

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और नीति समुदाय की सदस्य भव्या पांच-पांच बार नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस कमेटी की अध्यक्षता कर चुकी है। इसके अलावा नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस की सदस्य भी हैं। भव्या का चुनाव राष्ट्रपति बाइडन ने किया है, जिससे साफ होता है कि उनका काम कितने खुलकर सबकी नजरों में आ चुका है। भव्या केवल अंतरिक्ष पर लैब में बैठकर या वैज्ञानिकों के साथ कॉन्फ्रेंस के दौरान नहीं दिखतीं, बल्कि लगातार इवेंट्स का भी हिस्सा बनती रहीं।

स्पेस टेक्नोलॉजी और पॉलिसी कम्युनिटी में उनके पेपर 50 से भी ज्यादा बार पब्लिश हो चुके हैं और सराहे जा चुके। भव्या ने कई निजी कंपनियों जैसे स्पेस- और ब्लू ऑरिजिन जैसी कंपनियों के बारे में भी खुलकर बात की कि वे किस तरह से स्पेस टूरिज्म को बढ़ावा देना चाह रहे हैं और इससे क्या बदलाव आ सकता है।

भारतीय मूल की भव्या काफी स्पष्टवादी भी हैं। वे बिना डरे ये ऐलान कर चुकी हैं कि अगले 10 से 15 सालों में अमेरिका अंतरिक्ष की दुनिया का सबसे मजबूत नाम नहीं रह जाएगा, बल्कि उसका वर्चस्व तोड़कर दूसरे देश आगे आएंगे। इनमें उन्होंने भारत, इजरायल, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे देशों के लिए उम्मीद जताई कि वे आगे निकल सकते हैं।

अब योजनाओं को प्रभावी बनाने के लिए घरों तक पहुंचने की नीति ही अपनाई जा रही है

'महिला सम्मान योजना' को लेकर बड़ा अपडेट, घट गई पंजीकरण के लिए लगे शिविरों की संख्या; क्यों बढ़ा खतरा?

● मंथन संवाददाता

नई दिल्ली। महिला सम्मान योजना की जांच कराने के उपराज्यपाल के आदेश के बाद लगाए जा रहे पंजीकरण कैंपों की संख्या कम हो गई है। आम आदमी पार्टी की ओर से घोषित महिला सम्मान योजना के लिए चल रही पंजीकरण की प्रक्रिया 30 दिसम्बर को थोड़ी धीमी दिखी। घर-घर जाकर पार्टी कार्यकर्ता पंजीकरण कराते दिखे। अब योजनाओं को प्रभावी बनाने के लिए घरों तक पहुंचने की नीति ही अपनाई जा रही है।

पंजीकरण के लिए नहीं लगा शिविर

उत्तम नगर के ओल्ड पंखा रोड पर संजीवनी योजना और महिला सम्मान योजना के तहत रविवार को पंजीकरण के लिए कोई शिविर नहीं लगाया गया। महिलाओं को 2,100 रुपये वाला बोर्ड सड़क पर रखा रहा। कुर्सी और टेबल खाली पड़ी रहीं। आसपास के लोगों से पता चला कि पंजीकरण के लिए शिविर नहीं लगा है।

एक शख्स ने किया विरोध: वहीं, दूसरी ओर, बवाना विधानसभा के अंतर्गत रोहिणी सेक्टर-24 स्थित पाकेट-1 में रविवार की सुबह आप कार्यकर्ता रिखिल गर्ग की ओर से लगे शिविर में काफी संख्या में महिलाएं अपना वोटर आईडी कार्ड व मोबाइल फोन लेकर पहुंचीं। जहां पंजीकरण किए जा रहे थे। तभी एक शख्स यहां पहुंचा और ऐसी कोई योजना नहीं होने की बात कहकर विरोध करने लगा। विरोध करने वाले शख्स ने पुलिस कंट्रोल रूम में काल कर इसकी जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों का क्या कहना?

मौके पर पहुंची पीसीआर व स्थानीय पुलिस ने शिविर आयोजक व शिकायतकर्ता से पूछताछ कर चली गई। इस दौरान शिविर चलता रहा। इस पूरे मामले में पुलिस अधिकारी का कहना है कि इस मामले में शिकायत मिली थी, पुलिस मामले की जांच कर रही है।